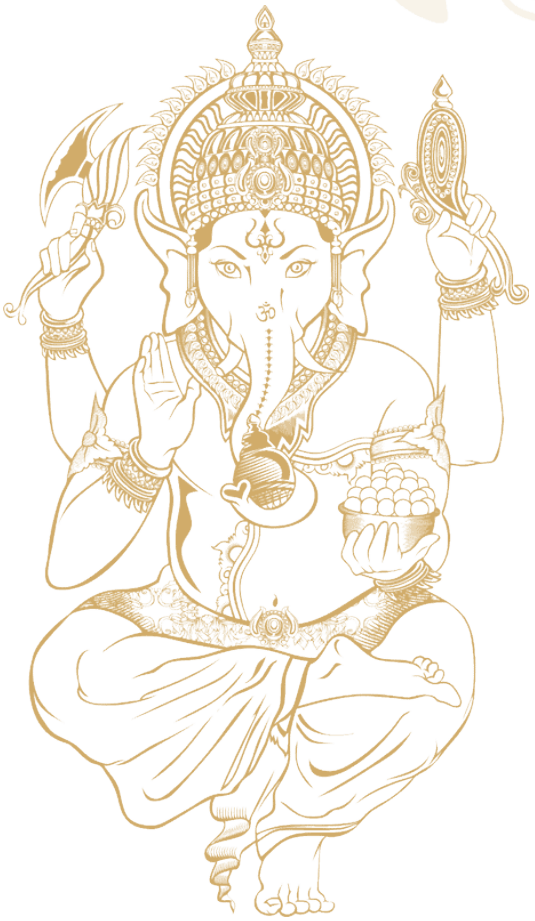

Mr.Sahil

Ms.Sneh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121488315

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/09/1995	जन्म तिथि	04/09/1998
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:55:00	जन्म समय	21:20:00 घंटे
घटी 17:07:27	जन्म समय(घटी)	38:13:24 घटी
India	देश	India
Rohtak	स्थान	Panipat
28:54:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
76:38:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:28	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:01	सूर्योदय	06:00:56
18:38:49	सूर्यास्त	18:41:02
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 5मा 6दि	18:25:17	वृश्चि	लग्न	मेष	14:54:07	मंगल 6वर्ष 9मा 16दि
गुरु	20:25:01	सिंह	सूर्य	सिंह	18:04:34	गुरु
13/02/2019	26:18:47	मक	चंद्र	मक	23:43:25	22/06/2023
13/02/2035	06:12:44	तुला	मंगल	कर्क	15:40:07	22/06/2039
गुरु 02/04/2021	17:13:38	कन्या	बुध	सिंह	00:53:04	गुरु 09/08/2025
शनि 14/10/2023	13:36:10	वृश्चि	गुरु व	मीन	00:43:16	शनि 20/02/2028
बुध 19/01/2026	25:08:49	सिंह	शुक्र	सिंह	03:30:35	बुध 28/05/2030
केतु 26/12/2026	28:06:05	कुंभ व	शनि व	मेष	09:26:59	केतु 04/05/2031
शुक्र 26/08/2029	03:27:48	तुला व	राहु	सिंह	07:39:21	शुक्र 02/01/2034
सूर्य 14/06/2030	03:27:48	मेष व	केतु	कुंभ	07:39:21	सूर्य 21/10/2034
चन्द्र 14/10/2031	03:04:18	मक व	हर्ष व	मक	15:43:44	चन्द्र 20/02/2036
मंगल 19/09/2032	29:10:52	धनु व	नेप व	मक	05:54:14	मंगल 26/01/2037
राहु 13/02/2035	04:15:48	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:33:52	राहु 22/06/2039

लग्न-चलित

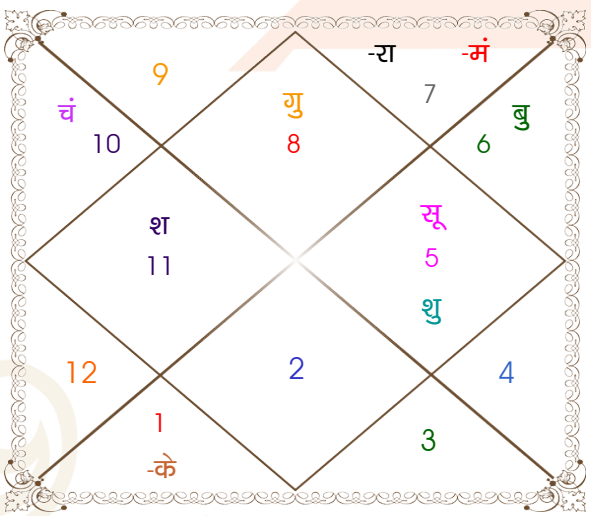

लग्न-चलित

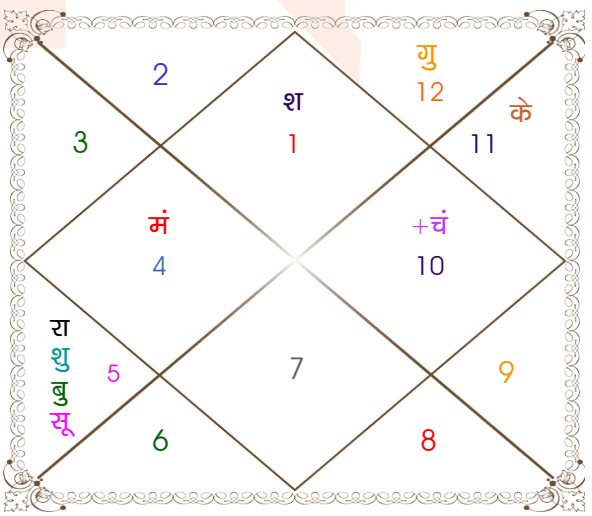

Acharya Dhairya Nath Mishra Shastri BEd
234 Milanssar Apartment Paschim Vihar New 110063
Sanatan Dharam Mandir A1 Block Paschim Vihar New Delhi
9810374751
acharyadnmishra1961@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.Sahil का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Sneh का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Sahil और Ms.Sneh का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Sahil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Sahil कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.Sahil कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Sneh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Sneh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Sneh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.Sahil कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Sahil तथा Ms.Sneh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।